

श्रीसप्तमि संवत्

२०४०

विक्रम संवत्

२०२१

शाका संवत्

१८८६

इस्वी संवत्

१९०४-०५ को

हिजरी संवत्

१३८३-८४ वैशाख ३ ८४

अब्दांशः

१-२४-२००





وحشیو ریشری  
(۹۸۲)

किं पिबन्ति मम पदसं मुनयः सः विहाय वासुपिदं बालो हरिः स्वयंदं मुले निनाय ॥  
 کہیں پینے والے ہیں میرے پاؤں کے لیے مہاشی، وہ چھوڑ کر اس بچے کو لے کر گئے ہیں۔  
 (The text continues with a story about a boy who was playing with a peacock and a snake, and how he was rescued by a sage.)

सम्बत विक्रमी २०१८ । सदापि सं० ५०३५ । शाकः १८८३ । ईसवी १९६१

जवाहिरलाल नेहरू १४ नवम्बर १८ ८४

मृत्युसंवन २७ मई १९६४























[illegible]



























































21

90

[illegible][illegible]

१-१०३ चम। ०७। क. प्रथम उदंठं सुतीवस रुपिनी पवित्री मयुः शुक्रं श्री ७५

१०१ न. ३ ०११. सु ५ ५ ९ ७ ५ मे ०९३१ लास ०१ क्रान्ति

३७ नं ०५१० सं ३ ५ ३ ७ दि मी ११ ल मि . ९ मं स ० ॥ ३ उ मं म १ १ ५ कृ षु : म ह .

३७५ ०१३३ किं ५ ०३७८ मे १७८६ दि. ३३ रिम/मलायकः

३३ ७१३४ पं मे १० को कुनि - पो बमि - ३३ कुसंगि ०-१९९ मैरम

[illegible][illegible][illegible]

३३ ००१०९३ मे सु मे ०७०७ दि ०३१६ मे २३४५८ ॥ १॥

[illegible]

३००३१२ मं ५४ क मे ०७९८ स प ५६ सं ९५९ क सुमे १५ सि वि ॥ २५९२२२ श्री ज्ञान भूषण

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

१७९५३ सुम ४ २५३ म ०१०३ दि ०१५० हि संलि २०००

७३०१२ मकु पू उ मं पू ३०११ निप ३ पंसा १०१ मम

[illegible]



























[illegible]



०३१	०१	०२५	०३	०७१	००	०३१	०३	०५५	०१	०३५	३०	३०१	३०	३५५	३०
१	१	१	१	१	१	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०
५	५	३	३	१	०	०	१७	१७	१३	११	१०	१५	१५	१५	१३
११	३१	३७	०	०५	११	३३	५०	३	०५	११	५०	५१	५	०१	१७
०	०३	३१	५५	०१	१३	५०	५	१३	५०	५३	००	३५	५१	००	११
३			३			३			३			३			३
००			००			००			००			००			००

उडिष्ठिमालीनं पूरुषादिकं भूधरः :

मंदज ५-५० विद्वत्स मंदज १०१० श्रीमकः  
 ०३ उ० मालगलः ५१ कालगलः ५५  
 मलं ५० मिनगलः ०५ ५१ वामेधं  
 इति मयनम। - १९५११०

मयनवं मयनम।

मे	म	मि	क	मि	कं	उं	कं	पं	मं	क	मी	मयनः
मे	म	उं	क	म	मं	उं	क	म	मं	उं	क	३१५
म	कं	मं	मि	म	कं	मं	मि	म	कं	मं	मि	११५
मि	मी	पं	कं	मि	मी	पं	कं	मि	मी	पं	कं	००१
क	म	मं	उं	क	म	मं	उं	क	म	मं	उं	०३१५
मि	म	कं	मं	मि	म	कं	मं	मि	म	कं	मं	०११५
कं	मि	मी	पं	कं	मि	मी	पं	कं	मि	मी	पं	१०१
उं	क	म	मं	उं	क	म	मं	उं	क	म	मं	१३१५
मं	मि	म	कं	मं	मि	म	कं	मं	मि	म	कं	१११५
पं	क	मि	मी	पं	कं	मि	मी	पं	कं	मि	मी	३०१



13	0	0	3	5	7	7	7	7	7	00	09	03	05	04	05	07	03	07	20	30	33	33	25	34	22	37	37	37
4	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	5	5	5	5	5	5	5	5	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4
5	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	5	5	5	5	5	5	5	5	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4
6	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	5	5	5	5	5	5	5	5	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4
7	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	5	5	5	5	5	5	5	5	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4
8	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	5	5	5	5	5	5	5	5	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4
9	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	5	5	5	5	5	5	5	5	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4
10	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	5	5	5	5	5	5	5	5	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4
11	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	5	5	5	5	5	5	5	5	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4
12	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	5	5	5	5	5	5	5	5	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4
13	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	5	5	5	5	5	5	5	5	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4
14	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	5	5	5	5	5	5	5	5	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4
15	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	5	5	5	5	5	5	5	5	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4
16	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	5	5	5	5	5	5	5	5	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4
17	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	5	5	5	5	5	5	5	5	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4
18	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	5	5	5	5	5	5	5	5	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4
19	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	5	5	5	5	5	5	5	5	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4
20	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	5	5	5	5	5	5	5	5	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4
21	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	5	5	5	5	5	5	5	5	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4
22	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	5	5	5	5	5	5	5	5	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4
23	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	5	5	5	5	5	5	5	5	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4
24	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	5	5	5	5	5	5	5	5	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4
25	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	5	5	5	5	5	5	5	5	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4







सुषुप्तलक्षणम्	सुषुप्तलक्षणम्	विष्णुभक्त्युद्गारः
		<p>मभुद्धिमंतः ५०० वि.मं १००० सुमिप्रलिभयं  मभुद्धिमंतः ५०० वि.मं १००० सुमिप्रलिभयं  मभुद्धिमंतः ५०० वि.मं १००० सुमिप्रलिभयं  मभुद्धिमंतः ५०० वि.मं १००० सुमिप्रलिभयं  मभुद्धिमंतः ५०० वि.मं १००० सुमिप्रलिभयं  मभुद्धिमंतः ५०० वि.मं १००० सुमिप्रलिभयं  मभुद्धिमंतः ५०० वि.मं १००० सुमिप्रलिभयं  मभुद्धिमंतः ५०० वि.मं १००० सुमिप्रलिभयं</p>
<p>उं विरायसुत पंमं सुविधपुठ निगीमल्ल प्रभनष  मभुद्धि मीकठ कमीनष मकयते गल्लितं पूकमिउं म  लिकनं सुठयमु</p>		







६५ मंडल

म. नं. १	४२
२	४०
३	२१
४	१२
५	१०
६	७
७	५

~~म. नं. १~~  
~~म. नं. २~~  
~~म. नं. ३~~  
~~म. नं. ४~~  
~~म. नं. ५~~



सम्पादक :- ज्योतिषी प्रेमनाथ शास्त्री



جستری نمبر ۳۲) میں چھوٹی جستری میں ہیں دوشیزہ دو ذرات اتراموت مزاج کے گئے ہیں جستری کا قیمت ۲۰ روپے دکھائی گئے ہے۔  
 دوسرے دو ذرات درگ تھا کہ سیلر دس روپے جستری جو جس کا اسیہ ۲۰ روپے میں مل سکتی ہے۔

No. 2

मिलने का पता :- ज्योतिषी प्रेमनाथ शास्त्री, काशीनाथ शर्मा  
(१) विजविहारा काशमीर । (२) कालखुड श्रीनगर ।



~~सर्वोच्च न्यायालय~~  
~~सर्वोच्च न्यायालय~~ ~~सर्वोच्च न्यायालय~~ ~~सर्वोच्च न्यायालय~~  
~~सर्वोच्च न्यायालय~~

६४ प्रश्न

म. म. म.	४२
१०	४०
१०	२१
मु. म. म.	१२
म. म. म.	१०
म. म. म.	७
म. म. म.	४

~~सर्वोच्च न्यायालय~~



U. 11

1723/8

10770

सामान्य भवन	५० ३०
विद्यार्थ भवन	२० ३५
प्राध्यापक भवन	१० ०५
द्वितीय भवन	१५ ५५-६५
चित्रकला भवन	१३ ०३

Handwritten red markings, possibly a signature or initials.